पूर्वोत्तर आयुर्वेद एवं होम्योपैथी संस्थान (पू.आ.हो.सं.), शिलॉग

भूमिका

पूर्वोत्तर आयुर्वेद एवं होम्योपैथी संस्थान (पू.आ.हो.सं.), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अधीनस्थ एक स्वायत्त संस्थान है। 22 दिसम्बर, 2016 को आयुष मंत्रालय के माननीय राज्यमंत्री श्री श्रीपाद येशो नाईक के द्वारा संस्थान का औपचारिक रुप से उदघाटन किया गया। यह संस्थान आयुष मंत्रालय के द्वारा स्थापित किया गया है। आयुर्वेद एवं होम्योपैथी में स्नातक, स्नातकोत्रर, शोध एवं अनुसंधान कार्यक्रम प्रदान करना एवं अस्पतालों में गुणवत्ता युक्त चिकित्सा प्रदान करना संस्थान का उद्देश्य है।

वर्तमान में संस्थान आयुर्वेद महाविद्यालय में बी.ए.एम.एस एवं होम्योपैथी महाविद्यालय में बी.एच.एम.एस पाठ्यक्रम चला रहा है। प्रत्येक वर्ष में दोनो महाविद्यालयों में 50-50 छात्रों का प्रवेश हो रहा है। दोनों महाविद्यालय की संबद्धता पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग के साथ है।

आयुर्वेद चिकित्सालय में 100 शय्या एवं होम्योपैथी चिकित्सालय में 50 शय्या की क्षमता है।

संस्थान समय-समय पर आयुर्वेद एवं होम्योपैथी चिकित्सा अधिकारी को प्रशिक्षण देने के साथ-साथ, संगोष्ठियों और कार्यशालायों का आयोजन करता रहता है। संस्थान शीघ्र ही पंचकर्म तकनीशियन (सहायक) के लिए एक वर्ष का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम आरम्भ करने जा रहा है।

परियोजना के प्रथम चरण के अन्तर्गत आयुर्वेद महाविद्यालय, होम्योपैथी महाविद्यालय, आयुर्वेदिक चिकित्सालय, होम्योपैथी चिकित्सालय, प्रशासनिक खण्ड के साथ में पुस्तकालय के भवनों का निर्माण पूर्वोत्तर क्षेत्रीय इन्दिरा गांधी स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विज्ञान संस्थान के निकट 20 एकड़ जमीन के एक भाग पर किया गया है।

परियोजना के दूसरे चरण में छात्र एवं छात्राओं के लिए छात्रावास, संकाय अधिकारी एवं कर्मचारियों के लिए आवास, अतिथि आवास एवं शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण एन.पी.सी.सी.लिमटेड एजेन्सी के द्वारा प्रारम्भ हो गया है।

संस्थान के छात्र एवं छात्राओं की सीटों का विभाजन निन्नलिखित है-

वर्ग	बी.ए.एम.एस के लिए सीटों की संख्या	बी.एच.एम.एस के लिए सीटों की संख्या
अरुणाचल प्रदेश	3	3
मणिपुर	3	3
मेघालय	7	7
मिजोरम	3	3
नागालैंड	3	3
सिक्किम	3	3
त्रिपुरा	3	3
विदेशी नागरिक	1	1
अखिल भारतीय ओपन सीटें	24	24
कुल	50	50

❖ अखिल भारतीय खुली सीटों को एन.ई.ई.टी. (NEET) योग्यता के आधार पर भरा जायेगा। अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा के आवेदकों को राज्यों के कौटा के अनुसार, एन.ई.ई.टी.(NEET) योग्यता के अनुसार प्रवेश दिया जायेगा। यदि पूर्वोत्तर राज्यो के कोटे के तहत आवंटित सीटों के अंतर्गत कोई उम्मीदवार उपलब्ध नहीं है तो सीट स्वतः उपरोक्त अखिल भारतीय ओपन सीट मे चला जायगी।

❖ अखिल भारतीय खुली सीटों के तहत 24 (चौबीस) सीटो के लिए भारत सरकार की आरक्षण नीति का पालन किया जा रहा है। राज्य सीटों के लिए संबंधित राज्य में लागू आरक्षण नीति का पालन हो रहा है। इसी प्रकार आई.सी.सी.आर. द्वारा संस्थान को भेजे गये विदेशी नागरिकों के पर्याप्त आवेदनों की अनुपस्थिति में, सीट स्वतः अखिल भारतीय ओपन सीट कोटा में चली जायेगी।

संस्थान के कार्यकलाप / उपलब्धियाॅ

1. संस्थान आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक अंतरंग विभाग और बहिरंग विभाग को बड़ी सफलता के साथ चला रहा है, इन्हे आयुर्वेद और होम्योपैथी विशेषज्ञ द्वारा प्रबंधित किया जाता है। आयुर्वेद अस्पताल में बहिरंग रोगी की सेवाओं में पंचकर्म, कायचिकित्सा, शल्य तंत्र, स्वस्थवृत्त और योग, प्रसूति तंत्र और स्त्री रोग, दंत चिकित्सा, आकस्मिक, लघु शल्य कक्ष, जबकि होम्योपैथी अस्पताल में बहिरंग सेवाओं में चिकित्सा, प्रसूति तंत्र और स्त्री रोग, बाल चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, आकस्मिक लघु शल्य कक्ष शामिल हैं । संस्थान सभी अंतरंग और बहिरंग सुविधाओं के लिए नि: शुल्क परामर्श / सेवा प्रदान करता है जिसमें औषधि भंण्डार में औषधी की उपलब्धता के अनुसार दवाओं का मुफ्त वितरण और मुफ्त आहार इत्यादि शामिल हैं।
2. पूर्णकालिक आहार विशेषज्ञ द्वारा अंतरंग और बहिरंग दोनों रोगियों के लिए नियमित आहार परामर्श दिया जाता है।
3. पूर्णकालिक योग प्रशिक्षकों द्वारा रोगियों के लिए नियमित योग सत्र भी आयोजित किए जा रहे हैं।
4. विभिन्न रोगों के निदान के लिए एक अच्छी तरह से सुसज्जित कैंद्रीय नैदानिक प्रयोगशाला स्थापित की गई है। नाड़ी तरंगीनी मशीन द्वारा, ईसीजी और नाड़ी परीक्षा (आयुर्वेदिक पल्स परीक्षा) अस्पताल में भी स्थापित है। मरीजों की विभिन्न जाॅच मुफ्त उपलब्ध है।
5. संस्थान ने आयुर्वेद अस्पताल में एक सुसज्जित पंचकर्म इकाई की स्थापना की गई है जिसका उद्घाटन 22 फरवरी, 2018 को आयुष मंत्रालय के माननीय सचिव वैद्य श्री राजेश कोटेचा ने किया था।
6. सस्ती दरों वाले मरीजों के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित निजी वार्ड सुविधाएं (वीआईपी, डीलक्स और सेमी डीलक्स) शुरू की गई हैं।

बहिरंग विभाग में मरीजों की उपस्थिति

क्रम. सं.	वर्ष	आयुर्वेद अस्पताल	होम्योपैथी अस्पताल	कुल
1.	2014-2015	7144	9626	16770
2.	2015-2016	12422	27922	40344
3.	2016-2017	15119	20307	35426
4.	2017-2018	340152	9337	63352

शय्या अधिभोग (संस्थान के आयुर्वेद अस्पताल में 60 शय्या क्षमता और 40 शय्या के साथ होम्योपैथी अस्पताल है)

क्रम. सं.	वर्ष	आयुर्वेद अस्पताल	होम्योपैथी अस्पताल	कुल

1.	2016-2017	70	36	106
2.	2017-2018	273	97	370

7. सन 2010 से, मेघालय के दूरस्थ क्षेत्रों के आसपास कुल 57 (सत्तावन) स्वास्थ्य जागरूकता और निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा हे। बड़ी संख्या में मरीज पू.आ.हो.सं. पहुचे और आयुर्वद एवं होम्योपैथी चिकित्सा से लाभान्वित हुये।
8. संस्थान में आयुर्वेद और होम्योपैथी कॉलेज हैं जिनमें प्रत्येक व्यावसायिक वर्ष के लिए 50 छात्रों की प्रवेश क्षमता है। बीएएमएस और बीएचएमएस छात्रों के पहले बैच को 2016-17 के शैक्षिक सत्र में प्रवेश लिया। और 30 नवंबर, 2016 से कक्षाएं शुरू हुईं। शैक्षिक सत्र 2017-18 के लिए बीएएमएस और बीएचएमएस छात्रों के दूसरे बैच को भी प्रवेश दिया गया और कक्षाएं 16 अगस्त, 2017 से प्रारम्भ हुई। तीसरे बैच बीएएमएस और बीएचएमएस छात्रों के प्रवेश के लिए प्रशासनिक प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है और उम्मीद है कि कक्षाएं 1 सितंबर, 2018 से शुरू हो जाएंगी।
9. संस्थान को पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय (एन.ई.एच.यू), शिलांग, मेघालय द्वारा परीक्षा केंद्र के रूप में मान्यता दी गई है।
10. संस्थान ने नवंबर, 2017 को बीएएमएस और बीएचएमएस छात्रों के पहले बैच के लिए पहली व्यावसायिक अंतिम परीक्षा (नियमित) और अप्रैल, 2017 को पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग के तहत बीएएमएस और बीएचएमएस छात्रों के लिए पहली व्यावसायिक अंतिम परीक्षा (पूरक) आयोजित की है।
11. संस्थान में एक केंद्रीय पुस्तकालय है जिसमें 9 000 पुस्तकों का भणडार है। यह प्रस्तकालय सभी विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों को भी पुस्तकें जारी करता है।
12. संस्थान ने अगस्त, 2017 में खेल विभाग, पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय (एन.ई.एच.यू) द्वारा आयोजित अन्तर महाविद्यालय प्रतियोगिता में भाग लिया।
13. बी.ए.एम.एस एवं बी.एच.एम.एस. के विद्दार्थियों के गुणवत्ता सुधार के दृष्टि कोण से पूर्वोत्तर राज्य के प्रमुख चिकित्सा संस्थान पू.क्षे.इ.गॉ.चि.वि.सं. से पू.आ.हो.सं. का समझौता ज्ञापन भी किया गया है।
14. संस्थान के संकाय ने इस वर्ष के दौरान विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 14 शोध प्रकाशित किए गये हैं।
15. संस्थान बीएएमएस छात्रों के शिक्षण और प्रशिक्षण के उद्देश्य से और आयुर्वेदिक चिकित्सा औषधियों और औषधीय तेलों को अस्पताल के उपयोग के लिए तैयार करने के उद्देश्य से आयुर्वेद कॉलेज के रस शास्त्र विभाग के तहत अपनी खुद की एक फार्मेसी स्थापित करने की प्रक्रिया में भी है।
16. संस्थान एक पूर्ण औषधीय उद्यान स्थापित करने के लिए भी ईमानदारी पूर्वक प्रयास कर रहा है। इस संबंध में, यह उल्लेख किया जा सकता है कि कमजोर औषधीय पौधे और जड़ी बूटी के संरक्षण के लिए परिसर में पॉली हाउस का निर्माण पूरा हो चुका है।
17. बीएएमएस और बीएचएमएस छात्रों के लिए व्यावहारिक प्रदर्शन के लिए संस्थान औषधीय संयंत्र बोर्ड, वन और पर्यावरण विभाग, शिलांग, मेघालय सरकार के साथ सहयोग कर रहा है।
18. संस्थान ने 17 अक्टूबर, 2017 को दूसरा राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस और धनवंतरी पूजा दिलस मनाया। कार्यक्रम "आयुर्वेद के माध्यम से दर्द प्रबंधन" विषय पर एक शल्य कार्यक्रम के साथ आयोजित किया गया था, जिसमें प्रतिष्ठित व्यक्तियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने इस क्षेत्र में पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में आयुर्वेद का उत्कृष्ट योगदान दिया है।
19. संस्थान में शनिवार को आयुर्वेद और होम्योपैथी के दोनों कॉलेजों के छात्रों के शिक्षण और प्रशिक्षण कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में नियमित संगोष्ठी आयोजित कर रहा है।
20. पू.आ.हो.सं. में हिंदी पखवाड़ा और स्वच्छता पखवाड़ा भी मनाए गए थे।
21. 17 मार्च, 2018 को पू.आ.हो.सं. के छात्रों ने रक्त दान में भाग लिया जो कि एम.एस.ए.आई. के सहयोग से पू.क्षे.इ.गॉ.चि.वि.सं. के छात्रों के द्वारा आयोजित किया गया था।

22. होम्योपैथी दिवस के अवसर पर होम्योपैथी चिकित्सा के संस्थापक डॉ सैम्यूअल हंनीमैन की 262 वीं जयन्ती पर 10 अप्रैल, 2018 को सभागार में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम होम्योपैथी के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के सम्मान में पूर्वोत्तर क्षेत्र के प्रतिष्ठित होम्योपैथिक चिकित्सकों के सम्मान के साथ "होम्योपैथी में अनुसंधान की गुणवत्ता में वृद्धि" विषय पर एक कार्यक्रम के साथ आयोजित किया गया था।
23. पू.आ.हो.सं. की आधिकारिक वेबसाइट, शिलांग यानी www.neiah.nic.in लॉन्च की गई है और इसे नियमित रूप से अद्यतन किया जा रहा है।
24. संस्थान की वेबसाइट www.neiah.nic.in में संस्थान की ई-बुक अपलोड की गई है।

प्रकाशन

संस्थान आई.एस.एस.एन (2349-2422) इंडेक्स द्वि-वार्षिक पीयर समीक्षा अनुसंधान पत्रिका आयुर्वेद और होम्योपैथी अर्थात् "आयुहोम" प्रकाशित कर रही है।

पू.आ.हो.सं., शिलांग में जनशक्ति का वर्तमान स्थिति

नियमित -

- निदेशक (प्रतिनियुक्ति)
- उप निदेशक (प्रशासन) (प्रतिनियुक्ति)
- एक - प्रशासनिक अधिकारी
- 9 - प्रवक्ता (आयुर्वेद), 02- सह-आचार्य (आयुर्वेद), 05 - प्रवक्ता (होम्योपैथी), 01 - विषेशज्ञ (स्त्री एवं प्रसूति रोग विषेशज्ञ), 01 - चिकित्सा लेखाधिकारी (आयुर्वेद), 01 - दंत चिकित्सक, 01- नर्सिंग अधीक्षक
- 10 - स्टाफ नर्स, 01 - योग प्रशिक्षक, 01 - आहार विषेशज्ञ, 01- कनिष्ठ अभियंता

संविदात्मक / आउटसोर्सिंग स्टाफ -

- 1 (एक) सह-आचार्य (आयु) कायचिकित्सा
- 1 (एक) सह-आचार्य (आयु) शिरीर क्रिया विज्ञान
- 5 (पांच) प्रवक्ता, आयुर्वेद महाविद्यालय
- 6 (छः) प्रवक्ता, होम्योपैथी महाविद्यालय
- 1 (एक) प्रवक्ता, होम्योपैथी, बाल रोग विषेशज्ञ
- 3 (तीन) चिकित्सा अधिकारी (होम्योपैथी से एक और आयुर्वेद से दो)
- 4 (चार) फार्मासिस्ट (आयुर्वेद और होम्योपैथी से प्रत्येक दो)
- 4 (तीन) पंचकर्म तकनीशियन
- आउटसोर्सिंग आधार पर कुछ कार्मिक, पैरा-मेडिकल और सिक्योरिटी स्टाफ।

संगोष्ठी / सीएमई / कार्यशालाएं / भाषण -

संस्थान ने समय-समय पर राष्ट्रीय स्तर के संगोष्ठियों, सीएमई, कार्यशालाओं और जागरूकता शिविरों के आयोजन के माध्यम से इस क्षेत्र में आयुर्वेद और होम्योपैथी चिकित्सा को लोकप्रिय बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। संस्थान द्वारा आयोजित संगोष्ठी / सीएमई / कार्यशाला प्रणाली / भाषण -

1. 7 से - 12 नवंबर, 2016 को राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ, नई दिल्ली (आयुष मंत्रालय, भारत सरकार) के प्रायोजन से चिकित्सा अधिकारी (आयुर्वेद) के लिए 6 (दिन) दिवसीय सी.एम.ई. का आयोजन किया गया।

2. संस्थान ने 21 दिसंबर, 2016 को संस्थान के संस्थापक प्रथम निदेशक (स्व.) आचार्य(डॉ) एस.पी. भट्टाचार्य की पुण्य तिथि की सालगिरह के अवसर पर आचार्य(डॉ) एस.पी. भट्टाचार्य मेमोरियल श्रद्धांजली कार्यक्रम आयोजित किया है। ।

3. संस्थान ने 21 दिसंबर, 2017 को संस्थान के संस्थापक निदेशक (स्व) आचार्य(डॉ) एस.पी. भट्टाचार्य की 5 वीं पूण्य तिथि की सालगिरह के अवसर पर दूसरा "(स्व) आचार्य(डॉ) एस.पी. भट्टाचार्य मेमोरियल श्रद्धांजली कार्यक्रम आयोजित किया है।

4. संस्थान में 15 नवंबर, 2017 को राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अन्तर्गत, पूर्वोत्तर क्षेत्र स्थनीय अध्याय, "अनुसंधान परियोजना प्रस्ताव का कार्यशाला" पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग, द्वारा आयोजित किया गया।

5. पूर्वोत्तर राज्यों की क्षेत्रीय स्तर की कार्यशाला और आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित 16 -17 नवंबर, 2017 को राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के तहत आयुष कार्यक्रम / कार्यकलापं की समीक्षा की गयी।

6. पू.आ.हो.सं., शिलांग में 18.01.2018 को पू.क्षे.इ.गॉ.चि.वि.सं. के प्रथम वर्ष एमएससी नर्सिंग विद्वान का 1 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम किया गया।

7. आयुष एवं एच औषध नियामकों, उद्योग कार्मिकों और अन्य हिस्से धारकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयुष मंत्रालय के प्रायोजन से 1 से 2 फरवरी, 2018 को सम्पन्न हुआ।

8. राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ, नई दिल्ली (आयुष मंत्रालय, भारत सरकार) के प्रायोजन के तहत 23 एवं 24 फरवरी, 2018 को "स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन में आयुष की भूमिका" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न हुई।

9. 22 एवं 23 फरवरी, 2018 को पूर्वोत्तर परिषद, शिलांग (भारत सरकार के मंत्रालय, भारत सरकार) के प्रायोजन से " स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन में आयुर्वेद एवं योग की भूमिका " पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ।।

10. 29 से 31 मई, 2018 को योग और प्राकृतिक चिकित्सा परिषद (सीआरवाईएन), नई दिल्ली, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित योग और प्राकृतिक चिकित्सा पर क्षेत्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

आयोजित कार्यक्रम

1. 21 जून, 2018 को "चौथा अंतर्राष्ट्रीय योग" दिवस का आयोजन किया गया।

2. राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ, नई दिल्ली (आयुष मंत्रालय, भारत सरकार) के प्रायोजन के तहत संस्थान परिसर में 23 जुलाई, 2018 से 28 जुलाई, 2018 तक चिकित्सा अधिकारी (होम्योपैथी) के लिए 6 (दिन) दिवसीय सी.एम.ई. का आयोजन हुआ।

3. राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ, नई दिल्ली (आयुष मंत्रालय, भारत सरकार) के प्रायोजन के तहत संस्थान कैंपस में 27 अगस्त, 2018 से 1 सितंबर, 2018 को चिकित्सा अधिकारी (आयुर्वेद) के लिए 6 (दिन) दिवसीय सी.एम.ई. का आयोजन किया गया।

महिलाओं का सशक्तिकरण:

संस्थान महिला सशक्तिकरण के प्रति पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है और संस्थान इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए कोई कमी नहीं छोड़ रहा है। इस संबंध में, पू.आ.हो.सं. में महिलाओं के रोजगार की स्थिति निम्नानुसार है:

क्र. संख्या	कर्मचारी का वर्ग	कर्मचारी की कुल संख्या	महिला कर्मचारी की कुल संख्या	महिला कर्मचारी का %
1.	नियमित कर्मचारी	36	17	47%
2.	संविदात्मक	22	16	72%
3.	वाहरी स्रोत से	63	20	32%

शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों को लाभ:

पू.आ.हो.सं. निम्नलिखित अस्पतालों, कॉलेजों और प्रशासनिक ब्लॉक में शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों का निम्नलिखित आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने के लिए ईमानदारीपूर्वक प्रयास कर रहा है: -

(i) रैंप

(ii) अक्षम लोगों के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए शौचालय

(iii) लिफ्ट

विशेष गणमान्य व्यक्तियों की यात्रा

1. मेघालय के महामहिम माननीय राज्यपाल, श्री गंगा प्रसाद ने अपने अधिकारियों के साथ 26 फरवरी, 2018 को संस्थान परिसर का दौरा किया।
2. माननीय सचिव, आयुष मंत्रालय वैद्य श्री राजेश कोटेचा, और संयुक्त सचिव, श्री पी. एन. रणजीत कुमार ने 22 फरवरी, 2018 को संस्थान परिसर का दौरा किया।